>

Title: Regarding disinvestment of Public Sector Undertakings.

श्री रेवती रमन सिंह : अध्यक्ष महोदया, मैंने आग्रह किया है कि इस देश में आजादी के बाद कोई भी न इनफ्रास्ट्रक्चर था और न ही कोई उद्योग था।

हमारा देश विदेशों पर ही आधारित था - चाहे वह इंग्लैंड, फ्रांस या जर्मनी पर आधारित रहा हो। लेकिन आज़ादी के बाद भारत के प्रथम प्रधान मंत्री ने तमाम पब्लिक सैक्टर की कंपनियों को इस देश में खोलने का काम किया।

मान्यवर, मैं इस सदन को याद कराना चाहता हूँ कि जब दुनिया में मंदी हुई और सब जगह की अर्थव्यवस्था कॉलैप्स हो गई - चाहे अमेरिका रहा हो या यूरोप रहा हो, उस समय भारत में मंदी तो आई, लेकिन यहां की अर्थव्यवस्था कॉलैप्स नहीं हुई, ध्वस्त नहीं हुई। लेकिन इसी सरकार ने, पहले एनडीए ने पूँजी विनिवेश का काम किया और निजी क्षेत्र को बेचने का काम किया। उसी का अनुसरण आज कांग्रेस पार्टी और यूपीए की सरकार धीरे-धीरे कर रही है। मैंने मांग की थी कि जो पब्लिक सैक्टर की कंपनियां चल सकती हैं, उनको चलाया जाए, लेकिन मैंने देखा कि एनटीपीसी में, ओएनजीसी में अभी पांच प्रतिशत पूँजी विनिवेश इन्होंने किया है। अगर यही होता रहा तो इनका प्रस्ताव है कि पब्लिक सैक्टर की कंपनियों में 49 प्रतिशत तक पूँजी विनिवेश निजी क्षेत्रों से कराएँगे। अगर यह हो जाएगा तो इस देश में कुछ नहीं बचेगा। आज अमेरिका पूरी तरह से दीवालिया हो चुका है, यूरोप दीवालिया हो चुका है, लेकिन हमारा देश बचा हुआ है। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि हिन्दुस्तान केबल्स, त्रिवेणी स्ट्रक्चर्स और इस तरह की तमाम कंपनियाँ जो बचाई जा सकती हैं और मुनाफे में चलाई जा सकती हैं, इन कंपनियों को बचाया जाए, इनका पूँजी विनिवेश न किया जाए, यह अपील मैं आपके माध्यम से करना चाहता हूँ।

मैं फिर दोहराना चाहता हूँ कि अगर इस तरह का काम यूपीए की सरकार करेगी तो आज नहीं, कल इसका वही हश्र होगा जो एनडीए का हुआ था। मैं अपने मित्रों से कहना चाहूँगा, सीपीएम और सीपीआई से भी कि ये लोग भी एक ही सैकेन्ड में इसका समर्थन करने का काम करेंगे।

मैं इन्हीं शब्दों के साथ सरकार से आग्रह करूंगा कि इस पर पुनर्विचार करने का काम करें और पब्लिक सैक्टर कंपनियों का पूँजी विनिवेश न करें।

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, will you allow us to raise an important matter?

MADAM SPEAKER: I will allow you to raise it.

SHRI BASU DEB ACHARIA : This is not the way. You first dispose of this matter.â€¦ (*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I have your notice.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : We will not allow the House to function in this way....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I have received your notice. I had told you also about it in the Question Hour and I am telling you again.

...(*Interruptions*)

12.09 hrs.

At this stage, Dr. Ram Chandra Dome and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.